• बाल कविता...

आई नानी...

ओ हो घर में आई नानी,
आज सुनेंगे खूब कहानी।
मुन्नी चुन्नी चम्पा भोला,
नहीं करेंगे अब शैतानी।
झोले में क्या लाई नानी?
गुड्डा काना गुडिया कानी।
कहां कहां हो आई नानी?
दिल्ली हरिद्वार हल्द्वानी।
नानी ऐसी सुना कहानी,
एक हो राजा एक हो रानी।
हंस हंस लोट पोट हो जाएं,
या आंखों में आये पानी।
एक कुंए में थोडा पानी,
उसमे नाचे लाल भवानी।
पहले बूझो यही पहेली,
फिर सुन लेना नई कहानी।

-श्रीनाथ सिंह

• चुटकुले...

पत्नी : मैं तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं?
पति : बहुत ज्यादा।
पत्नी : फिर भी बताओ कितनी?
पति : इतनी कि मन करता है तुम्हारे जैसी एक और ले आऊं।

राजू : दुनिया का सबसे बड़ा त्योहार कौन सा है?
पप्पू : घरवाली।
राजू : मतलब?
पप्पू : और क्या, हफ्ते में 3-4 बार तो मनाना ही पड़ता है।

चेन स्नैचिंग वाले महिला के गले से हार खींच कर ले गए...
अगले दिन महिला बहुत ज्यादा दुखी हुई...
हार के लिए नहीं, अखबार वालों ने छाप दिया-
वृद्ध महिला के गले से हार छीन भागे चेन स्नैचर...!!!

पत्नी - सुनते हो जी, आपका बेटा आजकल कुछ ज्यादा ही पैसे उड़ाने लगा है, जहां भी छुपाती हूं ढूंढ ही लेता है।
पति - उस नालायक की किताबों मे छुपाया कर, परीक्षा तक तो ढूंढ ही नहीं पाएगा...!!!

• आप जानते हैं...

दुनिया के सबसे ठंडे इलाके...

दुनिया में ऐसे-ऐसे शहर भी हैं, जहां इतनी ठंड पड़ती है कि लोगों को पानी पीने के लिए भी बर्फ को पिघलाना पड़ता है। इनमें से बहुत सारे शहर आर्कटिक सर्कल से केवल कुछ किलोमीटर ही दूर हैं। यदि आप सर्दी में रहने के आदी नहीं हैं, तो इन स्थानों पर जाना आपके लिए खतरनाक हो सकती है।

रूस के साइबेरियाई इलाके का यह गांव आर्कटिक सर्कल से सिर्फ कुछ सौ किलोमीटर दूर है। 500 की आबादी वाला यह गांव ओइमयाकॉन, धरती पर सबसे ठंडे जगहों में से एक है। जनवरी में यहां का औसत तापमान -50 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। 1933 में इस क्षेत्र का अब तक का सबसे ठंडा तापमान -67.7 डिग्री सेल्सियस था। ठंड इतनी भीषण होती है कि इंजनों को बंद होने से बचाने के लिए यहां के निवासी अपनी गाड़ियों को हीटेड गैरेज में पार्क करते हैं। चेहरे पर फ्रेम जम जाने के कारण यहां के लोग चश्में तक नहीं पहनते। यहां खेती करना नामुमकिन है, इसलिए यहां के लोग रेनडियर या मछली खाते हैं, और यहां तक कि खुद को गर्म रखने के लिए मैकरॉनी के साथ घोड़े के खून से बने बर्फ के क्यूब्स का सेवन करते हैं।

वेरखोयांस्क, रूस : याकुटियाक्षेत्र में स्थित यह साइबेरियन गांव ओइमयाकॉन जितना ठंडा है। सर्दियों में यहां जमी हुई याना नदी के ऊपर गाड़ियों को ड्राइव करके ही पहुंचा जा सकता है, और गर्मियों में नदी के पिघलने के बाद हेलिकॉप्टर से। यहां जीवन ज्यादा अलग नहीं है। लोग अपने घरों को गर्म करने के लिए एक सेन्ट्रल हीटिंग प्लांट का उपयोग करते हैं, जो लकड़ी की आग पर काम करता है और यह चौबीसों घंटे चलता रहता है। सोवियत संघ के दिनों में, वेरखोयांस्क का इस्तेमाल राजनीतिक कैदियों को रखने के लिए किया जाता था। आज इस क्षेत्र में उनके वंशज और याकूत शिकारी बसे हुए हैं, जिनकी संख्या 1300 तक पहुंच चुकी है।

• बाल-कथा

एक अनोखा न्याय...

बगदाद के खलीफा के महल में अली हसन नाम का एक नौकर था। खाते पीते घर से होने पर भी वह गरीब की तरह रहता था। वह और उसकी पत्नी फातिमा अशरफी इकट्ठे करने में जुटे रहते थे। और उन्हें दिन-रात गिनते रहते थे। धीरे-धीरे हसन और भी लालची हो गया।

वह खाने पीने की चीजें भी मुफ्त चाहने लगा। एक दिन उसने अपनी बीवी फातिमा से कहा। तुम बाजार वालों को यह बताओ की मुझे जेल खाने में बंद कर दिया गया है। और इस बहाने खाने पीने का सामान मुफ्त हथिया लो। अली हसन के अनुसार फातिमा ने ऐसा ही किया। थोड़े दिन बाद बाजार वालों ने सामान देना बंद कर दिया।

वह खाने पीने की चीजें भी मुफ्त चाहने लगा। एक दिन उसने अपनी बीवी फातिमा से कहा। तुम बाजार वालों को यह बताओ की मुझे जेल खाने में बंद कर दिया गया है। और इस बहाने खाने पीने का सामान मुफ्त हथिया लो। अली हसन के अनुसार फातिमा ने ऐसा ही किया। थोड़े दिन बाद बाजार वालों ने सामान देना बंद कर दिया...

तब अली हसन बोला। अब रिश्तेदारों के पास जाकर खाने पीने का सामान ले आओ। इसी प्रकार कुछ दिन बाद रिश्तेदारों ने भी अपना हाथ पीछे खींच लिया। हसन को बहुत क्रोध आया। उस दिन वह खलीफा के घर से एक याकूत चुरा कर ले आया। अब उसे चोरी की भी लत लग गई। वह रोज एक जवाहर चुरा के लाता और अपने घर में इकट्ठा करने लगा। जब उसके पास बहुत से जवाहरात इकट्ठे हो गए। तब वह अपनी बीवी से बोला।

इन जवाहरातों को बेचकर हमें अशरफियां इकट्ठी कर लेनी चाहिएं। और फिर बगदाद छोड़कर किसी और शहर में बस जाना चाहिए। उसकी बीवी ने कहा लाओ कुछ जवाहरात मैं आज बाजार में बेच दूं। जब वह बाजार पहुंची तो जौहरी ने खलीफा के जवारात पहचान लिए। और उन्हें खलीफा के यहां पहुंचा दिया।

अली हसन और उसकी बीवी को गिरफ्तार करके खलीफा के सामने लाया गया। सारी कहानी सुनकर खलीफा बोला, दुकानदारों से झूठ बोलकर सामान लेने पर तुम्हें भारी जुर्माना देना होगा। रिश्तेदारों को ठगने पर तुम्हें कोड़े लगाए जाएंगे। और महल में चोरी करने पर सजा ए मौत दी जाएगी।

यह सुनकर वह दोनों रोने और गिड़गिड़ाने लगे। तब दयालु खलीफा ने कहा। अच्छा महल के जवाहरात तो वापस लिए जाएंगे। पर तुम अपनी अशर्फियों की थैलियां गले में लटका कर वापस जा सकते हो।

उसी दिन खलीफा ने पूरे बगदाद में मनादी करवा दी कि जो कोई भी हसन को अशर्फी के एवज में कुछ भी सामान उसे देगा। उसे फांसी दे दी जाएगी।

अली हसन और उसकी बीवी अजीब मुसीबत में फंस गए। उन्होंने खलीफा से माफी मांगी तो खलीफा ने हुकूम दिया। इसकी एक थैली उस दुकानदार को दे दो। जिसने इनको उधार दिया। दूसरी थैली रिश्तेदारों को दे दो जिन्होंने इनको धन दिया। और अब इसे फिर से महल में नौकरी दे दो। फिर खलीफा अली हसन से बोला, याद रखो! जमा किया हुआ सोना मौत का कारण बनता है।

• जानकारी...

सदाबहार फूल...

सदाबहार फूलों की प्रजाति का एक पौधा है जो देशभर में पाया जाता है। इसका फूल सालों भर खिलता रहता है। इसे अंग्रेजी में Catharanthus कहा जाता है। सदाबहार का पौधा जीवट किस्म का होता है जो बिना देखभाल के ही बढ़ता और खिलता रहता है। सदाबहार फूल गोलाकार होते हैं। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। सदाबहार के अंडाकार पत्ते डालियों पर एक-दूसरे के विपरीत लगते हैं और झाड़ी की बढ़वार इतनी साफ सुथरी और सलीकेदार होती है कि झाड़ियों की कांट छांट की कभी जरूरत नहीं पड़ती। सदाबहार छोटा झाड़ीनुमा पौधा है। इसके गोल पत्ते थोड़ी लम्बाई लिए अंडाकार व अत्यंत चमकदार व चिकने होते हैं। एक बार पौधा जमने पर उसके आसपास अन्य पौधे अपने आप उगते जाते हैं। पत्ते व फल की सतह थोड़ी मोटी होती है। इसके चिकने मोटे पत्तों के कारण ही पानी का वाष्पीकरण कम होता है और पानी की आवश्यकता बहुत कम होने से यह बड़े मजे में कहीं पर भी चलता खिलता व फैलता है।

• टॉर्क...

टॉर्क को हम रोटेशनल फोर्स या ट्विस्टिंग फोर्स भी कहते हैं। टॉर्क को आसान भाषा में समझें, तो अगर आपको एक रिन्च से बोल्ट को खोलना है, तो बोल्ट को घुमाने के लिए रिन्च पर जो ताकत लगती है उसे हम टॉर्क कहते हैं। यानी जिस गाड़ी में टॉर्क ज्यादा होगा उसका पिकअप भी ज्यादा होगा। इसे और भी आसान शब्दों में समझें तो जैसे रॉयल एनफील्ड की बाइक को एक्सीलेटर देते समय जो झटका आपको लगता है, उसे हम टॉर्क कहते हैं। एक जगह से दूसरी जगह तक कोई भी कार कितनी तेजी से पहुंच सकती है इसे आप पावर कह सकते हैं।